देश का गौरव- हरियाणा

गोल्ड मेडल विजेता

गीता — कुश्ती

अनिता — कुश्ती

राजेंद्र — कुश्ती

रविंद्र — कुश्ती

अनिल कुमार — कुश्ती

संजय — कुश्ती

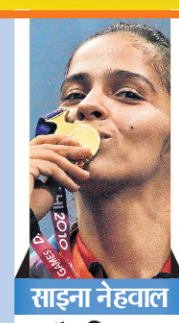

साइना नेहवाल — बैडमिंटन

अनिसा सैयद — शूटिंग

हरप्रीत सिंह — शूटिंग

योगेश्वर दत्त — कुश्ती

अनुराज सिंह — शूटिंग

परमजीत सामोता — मुक्केबाज

मनोज कुमार — मुक्केबाज

गोल्ड डिस्कस थ्रो

हरियाणा की बेटी और राजस्थान की बहू कृष्णा पूनिया ने रचा इतिहास, कॉमनवेल्थ गेम्स की ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी।

हरियाणा के छोरों व छोरियों ने लहराया भारत का परचम

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने पूरे प्रदेश का सीना चौड़ा कर दिया। खिलाड़ियों ने दिवाली उत्सव की खुशी में चार चांद लगा दिए। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के मान-सम्मान में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। आने वाले समय में भी छिपी प्रतिभाओं को तलाशने का क्रम जारी रहेगा। खेल में राजनीति को आड़े नहीं आने दिया जाएगा। खिलाड़ी खेल कर देश का नाम रोशन करें, इसके लिए सरकार हरसंभव सुविधा मुहैया करवाएगी।

सुशील कुमार गोल्ड (कुश्ती)

प्रमोद वशिष्ठ. चंडीगढ़

कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा ने धूम मचा दी। *देसां में देस हरियाणा-जित दूध दही का खाणा,* जुमला सबकी जुबान पर है। खिलाड़ियों के दमखम ने साबित कर दिया है कि सचमुच हरियाणा के दूध-दही में बड़ा दम है। खिलाड़ियों ने पदक भी उन्हीं खेलों में जीते हैं जहां जांबाजी की जरूरत थी। भारत ने 38 गोल्ड मेडल जीते जिसमें से हरियाणा ने 15 गोल्ड मेडल हासिल किए हैं। हरियाणा के कुल 48 खिलाड़ी मैदान में उतरे थे।

प्रति व्यक्ति आय में नंबर-वन, गेहूं उत्पादन में नंबर-वन, दूध उत्पादन में नंबर-वन और किसानों की बहुचर्चित भूमि अधिग्रहण नीति में नंबर-वन होने के बाद अब हरियाणा राज्य खेलों में भी नंबर वन बन चुका है। वाकई, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने नंबर-वन हरियाणा का जो नारा दिया, वह सार्थक हो रहा है। इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी देश के विकसित होने का अंदाजा उसकी खेलों में मिली उपलब्धि से भी लगाया जा सकता है। भारत की झोली में पदकों की बारिश करने के बाद हरियाणा ने यह भी साबित कर दिया कि जब देश पदक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया था तो साइना नेहवाल ने ही गोल्ड मेडल जीतकर उसे दूसरे स्थान पर पहुंचाया। हिसार में पली-बढ़ी साइना, वही खिलाड़ी हैं जिन्हें मुख्यमंत्री हुड्डा ने 2008 में 25 लाख रुपए देकर प्रोत्साहित किया था।

हरियाणा की उपलब्धियों की बात करें तो ध्यान देने योग्य है कि मेलबर्न में वर्ष 2006 कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा ने सिर्फ 5 पदक जीते थे जिनमें से एक गोल्ड मेडल था। महज चार वर्ष के भीतर खिलाड़ियों की उपलब्धियों में जो यह फर्क आया है वह हुड्डा सरकार द्वारा तैयार की गई खेल नीतियों का नतीजा है। सशक्त सोच और खिलाड़ियों के प्रति कल्याण की भावना रखने के कारण हरियाणा सरकार ने खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कॅरिअर के प्रति भी विशेष ध्यान दिया है। यही कारण है हरियाणा को दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान मिली है। खिलाड़ियों के इस धमाल और भूमि अधिग्रहण नीति की तारीफ के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की खेल नीति की तारीफ हर तरफ हो रही है। प्रशंसा से गद्गद् मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार के साथ कोचों को भी तीन लाख रुपए, दो लाख रुपए व एक लाख रुपए का पुरस्कार पदक के अनुसार देने की घोषणा की है। साथ ही प्रदेश के खेल स्टेडियमों, खेल की स्थिति, कोचों की स्थिति, गांव में छिपी प्रतिभाओं को खोजने जैसे विशेष प्रयासों में तेजी लाने के बारे में सोचा जा रहा है।

हुड्डा की सोच व उत्तम खेल नीति के कारण ही पूरे देश में हरियाणा छा गया है। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार प्रो. वीरेन्द्र सिंह कहते हैं कि खिलाड़ियों ने जो किया है, वह इतिहास बन गया है। उन्होंने बताया कि यह सब हुड्डा की देन है, वे स्वयं भी तुर्की में मेडल जीत चुके हैं।

> मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और लगन से इस खेल आयोजन में हरियाणा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि वे आशा करते हैं कि भविष्य में भी हरियाणा इसी प्रकार देश को गौरवान्वित करता रहेगा। सीएम के प्रस्ताव पर मारुति कंपनी ने सभी अलग-अलग पदक विजेताओं को कार देने की घोषणा की है। अब खेल नर्सरियों की संख्या 20 से बढ़ाकर 36 कर दी गई है।

लव ऑल से शुरू होती है सुबह

मुख्यमंत्री हुड्डा की सुबह की शुरुआत भी खेल से होती है। टेनिस कोर्ट में हर रोज तीन सेट खेलना उनकी दिनचर्या में शामिल है। हरियाणा के मुख्यमंत्री हुड्डा खुद टेनिस व बैडमिंटन के शानदार खिलाड़ी है। उनके खेल प्रेम ने ही आज हरियाणा को चोटी पर पहुंचाया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया था,' तुम देश को पदक दो-मैं तुम्हे भरपूर सुविधा दूंगा।'

हरियाणा दिवस पर होगा धमाल

मुख्यमंत्री हुड्डा ने यह घोषणा कर दी है कि सभी पदक विजेताओं का सम्मान 1 नवंबर को सोनीपत में किया जाएगा। विशेष बात यह है कि खिलाड़ियों के सम्मान में चार-चांद लगाने के लिए विशेष तैयारियों की जा रही है।

आबादी केवल 1.91 फीसदी, जीते 40 फीसदी सोने के तमगे

110 करोड़ की आबादी वाले देश में केवल 2.11 करोड़ की जनसंख्या वाले छोटे से प्रांत हरियाणा के खिलाड़ियों ने रंग जमा दिया। पूरे देश में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की खेलनीति की वाहवाही हो रही है। देश की कुल आबादी के 1.91 फीसदी वाले इस प्रदेश ने लगभग 40 फीसदी स्वर्ण पदक झटक लिए।

प्रदेश की छोरियों व महिलाओं का प्रदर्शन तो इससे भी कहीं शानदार रहा, जिन्होंने महिलाओं को मिले 7 स्वर्ण अपने नाम करते हुए दो-दो रजत व कांस्य पदक भी हासिल किए हैं। प्रदेश की महिलाओं व छोरियों ने पारंपरिक रुढ़ियों को तोड़ते हुए कॉमनवेल्थ की कुश्ती, निशानेबाजी व चक्का फेंक प्रतिस्पर्धाओं में 6 स्वर्ण, दो रजत व दो कांस्य पदक जीते हैं। देश की महिलाओं को मिले कुल पदकों में से 27.77 फीसदी व स्वर्ण पदकों में से 47 फीसदी हरियाणा की बेटियों व बहुओं ने हासिल किए हैं।

2005 में संभाली थी सत्ता

मुख्यमंत्री भूपेन्द्रसिंह हुड्डा ने 2005 में सत्ता संभाली थी। उन्होंने अपनी सोच की बदौलत ऐसे झंडे गाड़े हैं कि आज हरियाणा का हर शख्स खुशी से उछल रहा है। यहां तक कि गांव-गांव में दिवाली अभी से मनाई जा रही है। 2006 में मेलबर्न गेम्स में हरियाणा एक गोल्ड सहित 5 पदक जीत सका था, अचानक इस स्थिति ने पूरे समीकरण बदल दिए। खेल विशेषज्ञ अचंभित हैं।

इसके पीछे हुड्डा की खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की नीति है। लोग अब उन्हें 'खिलाड़ी प्रेमी मुख्यमंत्री' कहने लगे हैं। यह बड़ी बात भी है कि अगर उन्हें पता चल जाए कि कोई प्रतिभावान खिलाड़ी आर्थिक तंगी या साधन-सुविधाओं के अभाव में है तो वे स्वयं उसकी मदद करने पहुंच जाते हैं। प्रो. वीरेन्द्र सिंह तो इसके पीछे कई उदाहरण भी देते हैं।

हरियाणा ने पीछे छोड़े 67 देश

15 गोल्ड मेडल, 5 रजत व 8 कांस्य मेडल सहित कुल 28 मेडल जीते

पदक तालिका में हरियाणा अकेला राज्य है जिसने 67 देशों को पीछे छोड़ दिया। अब तक एशिया महाद्वीप के पाकिस्तान जैसे सभी देशों को तो गोल्ड मेडल जीतने में अकेले हरियाणा ने पछाड़ दिया है। मेडल विजेता खिलाड़ी साफतौर पर कहने लगे हैं कि यह सब खिलाड़ी मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की खेल नीति की देन है। हरियाणा ही नहीं, हरवंत कौर जैसे अन्य राज्यों के खिलाड़ी भी हुड्डा की खेल नीति की तारीफ करने लगे हैं। आस्ट्रेलिया के बाद भारत पदक तालिका में दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड जबकि चौथे पर कनाडा है। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का नंबर आता है।

खिलाड़ियों को बना दिया पुलिस अफसर

अब तक हुड्डा ने अपने शासन में 11 डीएसपी,7 इंस्पेक्टर, 21 सब-इंस्पेक्टर व 239 कांस्टेबल खेल कोटे (2007 से 2010 तक) से भर्ती किए हैं। खेलों के प्रति हरियाणा की रुचि की बात करें तो पौ-फटते ही समूचा हरियाणा कॉमनवेल्थ की खबर देखने टूट पड़ता था। हर जीत के बाद होता था जश्न और हर शहर में प्रतिदिन बांटे जाते थे क्विंटल के हिसाब से लड्डू । खास बात यह है कि ज्यादातर मेडल हरियाणा के देहात क्षेत्र के रहने वाले खिलाड़ियों ने ही जीते हैं। प्रदेश का यह जज्बा गर्व के लायक है।

यूं करते हैं हम टेलेंट का सम्मान

प्रदेश के स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 15 लाख रुपए, रजत पदक विजेता को 10 लाख रुपए तथा कांस्य पदक विजेता को पांच लाख रुपए की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जाएगी। जबकि ओलंपिक में राज्य तथा देश के लिए गौरव प्राप्त करने वाले स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः ढ़ो करोड़ रुपए, एक करोड़ तथा 50 लाख रुपए देने का प्रावधान है। राज्य में पुलिस की भर्ती में खिलाड़ियों को तीन प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जिसमें राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित युवाओं को राज्य परिवहन की बसों में आजीवन निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की गई है।

सरकार की ओर से 171 गांवों में राजीव गांधी खेल स्टेडियमों के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए प्रति स्टेडियम की दर से हरियाणा ग्रामीण विकास निधि से राशि मुहैया की जा रही है। खिलाड़ियों का खुराक भत्ता भी 50 रुपए से बढ़ाकर 100 रुपए तथा खेल विंगों के लिए रिफ्रेशमेंट भत्ता 30 रुपए से बढ़ाकर 60 रुपए कर दिया गया है।

हॉकी में भी चमका हरियाणा

रजत पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हरियाणा के चार खिलाड़ी संदीप, सरदारा, मंदीप व भरत हैं। इन्हीं चारों खिलाड़ियों ने भारत को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सबसे आगे हरियाणा

वाकई, हरियाणा सबसे आगे हो रहा है। जब यह नारा चला था तो चौपालों पर तरह-तरह के मंथन शुरू हुए थे, लेकिन अब धीरे-धीरे हुड्डा सरकार के कामकाज ने नकारात्मक सोच रखने वालों का मुंह बंद कर दिया है। खिलाड़ियों के धमाल के बीच सभी ने देखा कि हरियाणा सबसे आगे है। तरावड़ी के प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल गुप्ता कहते हैं कि यह सब मुख्यमंत्री हुड्डा की सोच का नतीजा है, इसमें कोई दोराय नहीं कि हुड्डा सरकार ने हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं, लेकिन खेलों की नीति ने तो हरियाणा को पूरे विश्व में शिखर पर पहुंचा दिया। इससे दूसरे प्रदेशों को भी सीख मिलेगी, वहां भी अच्छे खिलाड़ी तैयार होंगे।

दीपेंद्र की रुचि भी कम नहीं

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तो खिलाड़ियों के प्रति समर्पित हैं हीं, उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा भी खिलाड़ियों के लिए पूरी ताकत लगाते हैं। वे भी गांवों-गवांड़ों की सभाओं के दौरान युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने से नहीं चूकते। वे हरियाणा में युवा नेता बन कर उभरे हैं। दोनों पिता-पुत्र श्रीमती सोनिया गांधी व राहुल गांधी के मार्गदर्शन में युवाओं का कल्याण करने में जुटे हैं।

यही कारण रहा कि हरियाणा की भूमि अधिग्रहण नीति की सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने जमकर तारीफ की है। इस खेल नीति की पूरे देश में चर्चा है। दीपेंद्र हुड्डा की राहुल गांधी के मार्गदर्शन में युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने की बड़ी भूमिका रही है। अब देखना यह है कि वे गांवों की प्रतिभाओं को भविष्य में कितना लाभ पहुंचाते हैं।

रजत और कांस्य पदक विजेता

मनोज — कुश्ती - रजत

बबीता — कुश्ती -रजत

बिजेंद्र — मुक्केबाज - कांस्य

जय भगवान — मुक्केबाज - कांस्य

प्रशांत करमाकरा — तैराकी पैरा स्पोर्ट्स - कांस्य

दीपक शर्मा — शूटिंग - रजत

निर्मला — कुश्ती - रजत

दिलबाग — कुश्ती - कांस्य

सीमा अंतिल — डिस्कस थ्रो - कांस्य

सुमन कुण्डु — कुश्ती - कांस्य

अनिल — कुश्ती - कांस्य

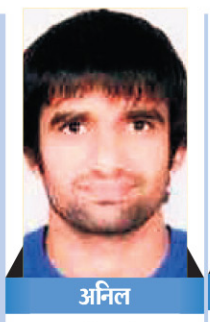

धर्मेंद्र दलाल — ग्रीको रोमन स्पर्धा - कांस्य

ADVT.